क्या वो किसी नाम का हकदार नहीं !

“शरीर बेचने वाली वेश्या है पर उसके शरीर को खरीदने वाले का क्या नाम है यह मर्दवादी समाज ने अपने बनाए कानून में बताया ही नहीं। …”

Story By: (fulwa)
Posted: Thursday, June 26th, 2014
Categories: रंडी की चुदाई / जिगोलो
Online version: क्या वो किसी नाम का हकदार नहीं !

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

क्या वो किसी नाम का हकदार नहीं !

वेश्यावृति की परिभाषा बहुत सरल है पर केवल समाज के उन लोगों के लिए जो सिर्फ वेश्यावृति के रूप में उन महिलाओं को देखते हैं जो चंद पैसों के बदले अपने शरीर को बेच देती हैं।

हर शाम जला करती हूँ इस कोठे पर
हर शाम बोली लगा करती है इस कोठे पर
इस कोठे ने मेरे शरीर की कीमत लगा दी
और नाम वेश्या का दे दिया
पर उस मर्द का क्या
जो हर शाम मेरे कोठे पर आया करता है
क्या वो किसी नाम का हकदार नहीं !

बचपन में मां ने पूरे तन पर ओढ़नी ओढ़ा दी पर क्यों और कब वक्त ऐसा आया कि स्वयं ही मैंने उस ओढ़नी को हजारों मर्दों के सामने उतार दिया ?
इन पंक्तियों को जरा ध्यान से पढ़िए, मर्दवादी समाज का दोगला चेहरा नजर आएगा जिसमें उसने अपने शरीर की कीमत लगाने वाली औरत को वेश्या का नाम दे दिया पर जो मर्द उसके पास अपने शरीर की भूख मिटाने आता है उसे नाम देना भूल गया।

कभी-कभी समाज का दोगला चेहरा देख हंसी आती है कि शरीर बेचने वाली वेश्या है पर उसके शरीर को खरीदने वाले का क्या नाम है यह मर्दवादी समाज ने अपने बनाए कानून में बताया ही नहीं।
हां, कभी-कभी औरत के शरीर की बोली लगाने वाले को दलाल जरूर बोल देते हैं पर यहां भी औरत के शरीर का उपभोग करने वाले के नाम का उल्लेख नहीं है !

आपको मेरी बातों से लग रहा होगा कि शायद मैं वेश्यावृति के पक्ष में बात कर रही हूँ पर ऐसा नहीं है मैं तो बस यह कहना चाह रही हूँ कि जब शरीर बेचने वाली वेश्या है तो फिर औरत के शरीर की कीमत लगाकर उसको उपभोग करने वाले व्यक्ति को क्यों कोई नाम नहीं दिया गया !!
इन सब सवालों से भी परे एक सवाल है जिसे आपने कभी सोचा तो होगा पर मर्दवादी समाज से पूछने की हिम्मत नहीं दिखाई होगी।

जरा सोचिए आधुनिक युग में बहुत से मर्द भी अपने शरीर को बेचकर धन कमा रहे हैं क्या उन्हें भी आप वेश्या बोलते हैं ?

फिर क्यों समाज में ऐसी सोच बना दी गई है कि वेश्यावृति शब्द को केवल औरत के नाम से ही जोड़कर देखा जाता है।
अनेकानेक ऐसी लड़कियाँ, महिलायें भी हैं जो पर्दे के पीछे तन का सौदा करती हैं और पर्दे पर तन का दिखावा, वो भी बिना किसी मज़बूरी के, पेट की आग बुझाने के लिये नहीं, ऐशो आराम के लिये !
उनकी तस्वीरें भी आप अपने दिल में, बटुए में घर में संजोए फ़िरते होंगे, उनको यह नाम क्यों नहीं ?

सम्बन्धित लेख : वेश्या तो पूज्या होनी चाहिए

Other stories you may be interested in

बहन का लौड़ा -3

अभी तक आपने पढ़ा.. नीतू- तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई.. मुझे छूने की.. कुत्ते निकल जाओ यहाँ से.. नहीं अभी पुलिस को बुलाकर अन्दर करवा दूँगी.. उसके गुस्से से नीरज डर गया। नीरज- स..स..सॉरी.. मुझे माफ़ कर दो.. मैं समझा कि […]

Full Story >>>

लाभांडी की रण्डी की चूत चुदाई

कहानी – हर्ष पाण्डेय प्रेषिका – अदिति गवलानी Labhandi Ki Randi Ki Choot Chudai हैलो दोस्तो.. आप सभी को हर्ष के लंड का प्रेम भरा सलाम। मैं रायपुर छत्तीसगढ़ का रहने वाला एक सीधा-साधा बांका सा नौजवान हूँ.. दिखने में […]

Full Story >>>

वेश्या और एक फिल्म अभिनेत्री में अंतर

कड़ुवा सत्य एक मिनट लगेगा जरूर पढ़ें !एक वेश्या और एक फिल्म अभिनेत्री में क्या अंतर है ? फेसबुक पर किसी की एक पोस्ट पर गरमागरम बहस के दौरान एक बुद्धिजीवी पुरूष ने एक से पूछा- आपकी नजर में एक […]

Full Story >>>

वेश्या तो पूज्या होनी चाहिए

जी नहीं !मुझे यह कहने में जरा भी शर्म नहीं है कि मैं एक वेश्या यानि सेक्स वर्कर हूँ !मेरे कई नाम हो सकते हैं- वेश्या, कालगर्ल, एस्कोर्ट, धन्धेवाली, कोठे वाली, रण्डी, सेक्स वर्कर, प्रोस्टीच्यूट Callgirl, Prostitute, Sex […]

Full Story >>>

मुझे रण्डी बनना है-10

अपनी पैंट उतारी और चड्डी निकालकर अपनी फ़ुद्दी को सहलाना चालू किया और अपने ही हाथों से अपने बड़े-बड़े नारियल जैसे स्तनों को सहलाना चालू किया। उसने इधर उधर देखा तो उसे मौसी का खिलौने वाला लौड़ा दिखा जिसे मौसी […]

Full Story >>>